दिसम्बर 2023 वर्ष 2, अंक 11

दयालबाग़ एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)

डी.ई.आई.– मासिक समाचार

"जब आप शीर्ष पर होते हैं और आपके पास शक्ति और धन होता है, तो आप कैसा व्यवहार करते हैं, यह आपका असली चरित्र दर्शाता है। ऐसे क्षणों में, दूसरों को दिखाए गए अनुग्रह, शिष्टाचार और विनम्रता से आपका असली रूप प्रगट होता हैं।"

– एन.आर. नारायण मूर्ति
संस्थापक, इंफोसिस
(आई आई एम, अहमदाबाद में 2.4.2023 को दीक्षांत समारोह के भाषण से)
(स्रोतः यूनिवर्सिटी न्यूज़, 18–24 सितंबर, 2023)

खंड

खंड क : डी.ई.आई. 3

खंड ख : डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा 6

खंड ग : डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI) 11

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट
(डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा– 282005

विषय–सूची

खंड क: डी.ई.आई.

1. 'चैन्टिंग प्रैक्टिसेज़ इन वेरियस रिलिजन्स' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित........ 3
2. डी.ई.आई. में अंतर – विद्यालयी प्रतियोगिता का आयोजन........ 4
   संकाय समाचार........ 4
3. शिक्षा संकाय........ 4
   नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस........ 4
   शिक्षकोप्लब्धि........ 5
4. विज्ञान संकाय........ 5
   स्टाफ समाचार........ 5
   छात्रोप्लब्धियाँ........ 5

खंड ख: डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा

5. कोऑर्डिनेटर की डेस्क से........ 6
6. सत्र 2023–24 के लिए छात्र नामांकन और छात्र प्रोफाइल डेटा........ 7
7. सूचना केन्द्रों से समाचार 8
   रूड़की केंद्र ने 'भारतीय भाषा उत्सव 2023' का आयोजन किया........ 8
   गादीरास (सुकमा) में मनाया गया 'संविधान दिवस'........ 8
   गादीरास (सुकमा) में 'कृषि दिवस' समारोह........ 9
   डी.ई.आई. सूचना केंद्र, विजयवाड़ा में प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया गया........ 9
   बैंगलोर, अटलांटा और करोल बाग केंद्रों में नवाचार, गुणवत्ता और मूल्य / मूल्यांकन दिवस समारोह........ 10

खंड ग: डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AA DEIs & AAFDEI)

8. संपादक की डेस्क से........ 11
9. भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन ई पी) 2020 में मानसिक स्वास्थ्य को शामिल करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण........ 11
   रुचि गौतम, मुख्य परामर्शदाता और मनोविज्ञान की सह–प्रोफेसर, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा....... 11
   लक्ष्य........ 12
   प्रमुख बिंदु........ 12
   प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सहयोगात्मक रणनीतियाँ 12
   संभावित नतीजे........ 12
10. पूर्व छात्र बाइट्स........ 13
   ''दयालबाग़ में शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ है...''
   प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड 14

खण्ड 'क' : डी.ई.आई.

डी.ई.आई. समाचार

'चौन्टिंग प्रैक्टिसेज़ इन वेरियस रिलिजन्स' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

श्री लोकेश्वर कुमार

प्रो. मार्सेल सिल्वा

सुश्री गेशेमा तेनज़िन

1 से 3 नवंबर, 2023 तक संस्कृत विभाग, कला संकाय, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय), दयालबाग़, आगरा द्वारा ''चैन्टिंग प्रैक्टिसेज़ इन वेरियस रिलिजन्स' पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का हाइब्रिड मोड में आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों की कुल संख्या लगभग 130 थी।

कार्यशाला की शुरुआत भक्तिवेदांत गुरुकुल और इंटरनेशनल स्कूल, वृन्दावन, यू०पी० के प्रधानाचार्य श्री लोकेश्वर कुमार वी. के व्याख्यान से हुई। उन्होंने गौड़ीय वैष्णव परंपरा में चौन्टिंग पर व्याख्यान दिया और चैन्टिंग में पांच 'ए'(अ) के महत्त्व को समझायाः (1) अट्रैक्शन (2) अटेंशन (3) अब्सॉर्पशन (4) अटैचमेंट और अफेक्शन। इसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज के संस्कृत विभाग की डॉ. शिखा ने हिंदू दर्शन में चैन्टिंग विधियों के बारे में बताया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के कर्मों के संबंध में चैन्टिंग के प्रकारों, यानी नित्य चैन्टिंग, की व्याख्या की; नैमित्तिक जाप; काम्या चैन्टिंग और निषिद्ध चैन्टिंग। डॉ. शोभा भारद्वाज, सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, डी.ई.आई. ने 'कृष्ण महामंत्र चैन्टिंग' पर प्रकाश डाला।

पर्किन्स स्कूल ऑफ थियोलॉजी, दक्षिणी मेथोडिस्ट विश्वविद्यालय, डलास, टेक्सास, अमेरिका में चर्च संगीत के सहायक प्रोफेसर प्रो. मार्सेल सिल्वा स्टर्नगेल ने बताया कि चैंट्स की शुरुआत कैसे और क्यों हुई और कैसे वे जनता तक पहुंचने के उपकरण बन गए हैं। उन्होंने लिखित संगीत पाठ और संगीत नोट्स और उनमें विविधताओं के बीच संबंध का भी प्रदर्शन किया। व्यक्तिगत प्रदर्शनों और वीडियो के माध्यम से, उन्होंने मंत्रों में एंग्लिकन और ग्रेगोरियन विचारधाराओं के बीच अंतर पर प्रकाश डाला। भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में जांस्कर घाटी की सुश्री गेशेमा तेनज़िन लाड्रोन, जो तिब्बती बौद्ध धर्म में डॉक्टरेट प्राप्त करने वाली पहली 20 तिब्बती ननों में से एक हैं, ने बौद्ध धर्म में चैन्टिंग प्रथाओं के बारे में बताया। उन्होंने बौद्ध धर्म में मंत्रों के जाप के महत्त्व के बारे में बताया और बताया कि इससे साधक को शांति प्राप्त करने में कैसे लाभ होता है। सेवानिवृत्त भारतीय सेना अधिकारी श्री अजमत ने इस्लाम में चैन्टिंग के महत्त्व को समझाया। उन्होंने कहा कि सभी अनुयायियों को दिन में पांच बार नमाज अदा करनी होगी। यह भौतिक जगत में रहते हुए ईश्वर से जुड़ने में मदद करता है।

डी.ई.आई. के संस्कृत विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. उर्मिला आनंद ने रा–धा–स्व–आ–मी आस्था में चैन्टिंग के महत्त्व को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि कैसे चैन्टिंग ध्यान के दौरान ध्यान और एकाग्रता हासिल करने में मदद करता है और कहा कि चैन्टिंग सर्वोच्च सत्ता से जुड़ने का एक आसान तरीका है। तत्पश्चात डी.ई.आई. के संगीत विभाग की अतिथि प्राध्यापक डॉ. दरश अधारी ने उच्च चेतना के विभिन्न स्तरों पर गूंजने वाली विभिन्न ध्वनियों के साथ 'रा–धा–स्व–आ–मी' मंत्र के जाप के महत्त्व को समझाया।

डॉ. सुरजीत नागपाल, डी.ई.आई. से धर्मशास्त्र में पी.एच.डी. और सिख धर्म के अनुयायी, ने सिख धर्म में मंत्रों के जाप के महत्त्व को समझाया। डी.ई.आई. के भौतिकी एवं कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रो. सी.एम. मार्कन ने चैन्टिंग पद्धतियों से संबंधित वैज्ञानिक अध्ययनों के बारे में बताया। उन्होंने शोध साझा किया जहां धार्मिक चैन्टिंग के दौरान और बाद में, प्रतिभागियों ने ऑडीटरी ब्लॉक के समान बढ़ी हुई अल्फा आवृत्ति शक्ति प्रदर्शित की। उन्होंने मानव मस्तिष्क में प्रमुख न्यूरोकेमिकल मार्गों के बारे में भी बताया।

डी.ई.आई. के संस्कृत विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनीता कार्यशाला की आयोजक थीं और ऑनलाइन एम.ए. (धर्मशास्त्र) की सहायक प्रोफेसर और समन्वयक डॉ. रूबीना सक्सेना संयोजक थीं।

डीईआई में अंतर-विद्यालयी प्रतियोगिता का आयोजन

डी.ई.आई. बोर्ड स्कूलों ने 16 दिसंबर, 2023 को संस्थान के विद्या स्रोत भवन के बाह्य परिसर में एक अंतर–विद्यालयी प्रतियोगिता का आयोजन किया। आयोजन के विषय थे (i) प्रकृति और पोषण के बीच संबंध (ii) सूक्ष्म जगत और स्थूल जगत। इस कार्यक्रम में प्रीस्कूल से लेकर हायर सेकेंडरी तक के छात्रों को चार स्तरों में विभाजित किया गया– फाउंडेशनल, प्रिपरेटरी, मिडिल और सेकेंडरी। उन्नीस स्कूलों (डी.ई.आई. के छह स्कूलों सहित) के कुल 281 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

निर्णायक मंडल में विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, प्रतिष्ठित लेखक, सेवानिवृत्त शिक्षक और आई.ए.एस. अधिकारी शामिल थे। लगभग हर स्कूल को कुछ न कुछ पुरस्कार मिला। चौंपियन ट्रॉफी होली पब्लिक स्कूल, आगरा, यू०पी० को उनकी टीम द्वारा अधिकतम भागीदारी और जीते गए पुरस्कारों के आधार पर प्रदान की गई। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ निदेशक प्रोफेसर पी. के. कालरा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये। इस कार्यक्रम को शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष (दयालबाग़ शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक प्रबुद्ध मंडल के रूप में कार्यरत) परम श्रद्धेय प्रोफेसर प्रेम सरन सतसंगी साहब की गरिमामयी उपस्थिति से आशीर्वाद मिला। इस कृपा को आयोजकों और प्रतिभागियों दोनों ने समान रूप से अनुभूत किया।

संकाय समाचार

शिक्षा संकाय

नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस

11 नवंबर, 2023 को दीपावली की पूर्व संध्या पर राधास्वामी आदिवासी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, राजाबरारी, जिला हरदा, म०प्र० में इंटर्नशिप के अंतर्गत शिक्षा संकाय के प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से नवाचार, गुणवत्ता और मूल्यांकन दिवस मनाया गया। स्कूल के छात्रों ने मूल्यों पर एक नाटक और एक एक्शन गीत प्रस्तुत किया, प्रशिक्षुओं ने कबीर के दोहे और एक भजन सुनाया। कार्यक्रम का संचालन एवं पर्यवेक्षण बी.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

शिक्षकोप्लब्धि

- 25 नवंबर, 2023 को श्री रामेश्वर दास अग्रवाल (एस आर डी ए) गर्ल्स (पी जी) कॉलेज, हाथरस, यू०पी० में प्रोफेसर नंदिता सतसंगी और प्रोफेसर एन.पी.एस. चंदेल को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एस एस आर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिसका शीर्षक था ''एन ई पी 2020 – अ गाइडिंग लैंप फॉर मेकिंग इंडिया वर्ल्ड लीडर''।
- प्रोफेसर सोना आहूजा को 23–25 नवंबर, 2023 तक काउंसिल ऑफ बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया द्वारा आयोजित 52वें वार्षिक सम्मेलन में 'दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डी.ई.आई.) बोर्ड स्कूलों में एन ई पी के कार्यान्वयन' को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्हें तीन साल के लिए वडोदरा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा के शिक्षा, शैक्षिक प्रशासन और शारीरिक शिक्षा में अध्ययन बोर्ड के विशेषज्ञ के रूप में भी 1 सितंबर, 2023 से नियुक्त किया गया है।
- डॉ. नेहा जैन और डॉ. श्वेता अग्रवाल ने 2–11 नवंबर, 2023 और 16–24 तक ब्लॉक संसाधन केंद्र, बरौली अहीर, आगरा में आयोजित 15 दिनों की अवधि के जिला स्तरीय कौशल संवर्धन कार्यक्रम ''उदय'' में विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- डॉ. ज्योतिका खरबंदा और डॉ. श्वेता अग्रवाल ने 23 से 25 नवंबर, 2023 तक केंद्रीय विद्यालय नंबर 1, वायु सेना स्टेशन, आगरा, यू०पी० में आयोजित 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में निर्णायकों के रूप में कार्य किया।

विज्ञान संकाय

शिक्षकोप्लब्धि

डी.ई.आई. के भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर सुखदेव रॉय को ऑप्टिक्स, फोटॉनिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑप्टिक्स में उनकी विशिष्ट सेवा और मूल्यवान योगदान के लिए ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (ओ एस आई) के प्रतिष्ठित अध्येता के रूप में चुना गया था, और क्वांटम सूचना (OPTIQ–2023), कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोचीन, केरल, भारत में 11–13 दिसंबर, 2023 तक आयोजित किया गया। उन्होंने लेज़र, ऑप्टिक्स पर चौथे वैश्विक वेबिनार में मुख्य भाषण भी दिया और फोटॉनिक्स, 29–30 नवंबर, 2023 को 'न्यूरॉन्स और मानव कार्डियोमायोसाइट्स के ऑप्टोजेनेटिक नियंत्रण की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग' पर आयोजित किया गया।

छात्रोप्लब्धियाँ:

- वनस्पति विज्ञान विभाग, डी.ई.आई. की शोध छात्रा सुश्री प्रियंका चतुर्वेदी ने ए एम आई–स्प्रिंगर नेचर 2023 पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ मौखिक सत्र पुरस्कार (खाद्य माइक्रोबायोलॉजी) 200 यूरो का उपहार वाउचर जीता, जो 64वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए थे। एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (ए एम आई 23) का सम्मेलन 1 से 3 दिसंबर, 2023 तक, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी और आई सी ए आर– सेंट्रल एग्रोफॉरेस्ट्री रिसर्च इंस्टीट्यूट, झाँसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। शोध छात्रा सुश्री हिमारी परिहार ने इस सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार (औद्योगिक और खाद्य माइक्रोबायोलॉजी) प्राप्त किया।
- भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग के शोधार्थी डॉ. हिमांशु बंसल और सुश्री गुर प्यारी को सर्वश्रेष्ठ पी–एचडी से सम्मानित किया गया। छठी आई ई ई ई इलाहाबाद, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई आई टी) में दिनांक 7 से 9, 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला रीसेंट एडवांसेज इन फोटॉनिक्स (डब्ल्यू.आर.ए.पी.–2023) में क्रमश नकद पुरस्कार के साथ शोध प्रबंध पुरस्कार (प्रथम रनर–अप), और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

खण्ड 'ख' : डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा

कोऑर्डिनेटर की डेस्क से

सतत् विकास को उस विकास के रूप में परिभाषित किया गया है जो बिना समझौता किए वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है एवं भावी पीढ़ियों की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता रखता है। एक विश्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण घटना कुल मिलाकर सत्रह सतत् विकास लक्ष्यों (एस डी जी) को अपनाना था जो वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के रूप में 2030 तक गरीबी ख़त्म करने, ग्रह की रक्षा के लिए कार्रवाई का सार्वभौमिक आह्वान करने, और सुनिश्चित करने कि सभी लोग शांति और समृद्धि का आनंद लें।

नोबेल पुरस्कार विजेता प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर अमृत्य सेन ने कहा हैः 'मेरा मानना है कि दुनिया में वस्तुतः सभी समस्याएं किसी न किसी प्रकार की असमानता से आती हैं।'' जाहिर तौर पर, उनके प्रतिकूल प्रभावों का मुकाबला करने के लिए, लक्ष्य 10 को 'देशों के भीतर और बीच में असमानता को कम करने के लिए' पेश किया गया था।

भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ ने 'समानता और सतत समाज सुनिश्चित करने के लिए 'एच ई आई के माध्यम से एसडीजी को साकार करना' विषय पर कुलपतियों की एक बैठक आयोजित की। इस अवसर पर उनके द्वारा निकाले गए 'यूनिवर्सिटी न्यूज़' के 22–28 नवंबर, 2021 के विशेष अंक में, जे एन यू के डॉ. हिमांशु ने 'भारत में असमानताः स्तरों और रुझानों की समीक्षा' शीर्षक के एक लेख का योगदान दिया है, जिसमें उन्होंने असमानता के मौद्रिक संकेतक (आयध्उपभोग और धन) और गैर–मौद्रिक संकेतक (शिक्षा और स्वास्थ्य) दोनों पर विचार किया है। लेखक द्वारा की गई कुछ टिप्पणियाँ नीचे दी गई हैं:

विस्तृत अध्ययनों से पता चलता है कि पिछले तीन दशकों में राष्ट्रीय आय की वृद्धि दर में तेजी देखी गई है और उसके बाद गरीबी में गिरावट देखी गई है। हालाँकि, इस वृद्धि के साथ संभवतः सभी आयामों में असमानता में भी वृद्धि हुई है।

लेखक के अनुसार, 'श्रम की कीमत पर पूंजी की बढ़ती हिस्सेदारी के साथ श्रम बाजार में बदलाव के कारण असमानता काफी हद तक प्रेरित हुई है।'

इस स्तर पर 10 नवंबर, 2023 के ''द टाइम्स ऑफ इंडिया'' के संपादकीय पृष्ठ पर कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरविंद पनगढ़िया के एक लेख पर ध्यान आकर्षित करना उचित है, जिसमें उन्होंने निम्नलिखित टिप्पणी की हैः भारत की त्रासदी यह है कि इसने अपनी लगभग सारी पूंजी उन क्षेत्रों में निवेश की है जो बहुत कम श्रमिकों को रोजगार देते हैं, विशेष रूप से निम्न–कौशल किस्म के। कॉर्पोरेट भारत में कार्यबल के 7–8% से अधिक को रोजगार नहीं मिलता है। इससे अधिकांश श्रमिकों के पास काम करने के लिए बहुत कम मात्रा में पूंजी उपलब्ध होती है।

इसी प्रकार की समस्या से निपटते हुए, प्रो. रघुराम राजन और रोहित लांबा ने 11 दिसंबर, 2023 के ''द टाइम्स ऑफ इंडिया'' में 'सर्विसेज विल सर्व द नेशन बेस्ट' नामक लेख में उपशीर्षक 'बुनियादी अधिकार पाना' के तहत निम्नलिखित टिप्पणी की हैः

"हमें अपनी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति, हमारे 1.4 अरब लोगों की मानव पूंजी को मजबूत करके शुरुआत करनी चाहिए। हमारी चुनौतियाँ हमारे बच्चों में कुपोषण के कारण बचपन में विकास अवरुद्ध होने और प्राथमिक विद्यालय में सीखने के खराब परिणामों से शुरू होती हैं। वे स्कूल छोड़ने की उच्च दर के साथ जारी हैं। हमें आधुनिक उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ–साथ अधिक उद्योग प्रशिक्षुता प्राप्त करने के लिए अधिक छात्रों की आवश्यकता है। हमें शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए कई उच्च गुणवत्ता वाले विश्वविद्यालयों की आवश्यकता है जो कॉलेज शिक्षण में सुधार करेंगे, और अत्याधुनिक अनुसंधान करेंगे जो भारतीय व्यवसाय में रचनात्मक और अभिनव उत्पादों को जन्म दे सकें। हमारी विशाल आबादी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अच्छी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना अपने आप में असंख्य नौकरियों का स्रोत होगा।"

सस्ती कीमत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके, डी. ई. आई. पिछले कुछ समय से देश की सेवा कर रहा है। अब सौ साल से इसका दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम मध्य प्रदेश में सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के राजाबरारी जैसे कई ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में संचालित होता है,

जहां इसने कई आदिवासी महिलाओं को स्वतंत्र आय सृजन के साथ स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रेरित किया है।

DEI की शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्रद्धेय प्रो. प्रेम सरन सतसंगी साहब ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए मानक निर्धारित किये हैं जिनका हम अनुसरण करते हैं। वे इस प्रकार हैं: – "आमतौर पर यह समझा जाता है कि सरकार आदिवासियों के प्रति अपने कर्तव्यों को काफी हद तक पूरा कर सकती है यदि वह उन्हें उनके सामान्य आवास में बहाल करने में सक्षम है। हालाँकि, मुझे लगता है कि यह पर्याप्त नहीं है। एक तरफ, हमें आदिवासी क्षेत्रों में आधुनिक विकास लाने की जरूरत है, वहीं दूसरी तरफ हमें उनकी पारंपरिक संस्कृति को संरक्षित करने की भी जरूरत है। "देश में व्याप्त असमानता से छुटकारा पाने का इससे बेहतर तरीका कोई नहीं हो सकता।

(प्रो. वी.बी. गुप्ता)

सत्र 2023–24 के लिए छात्र नामांकन और छात्र प्रोफाइल डेटा

2023–24 सत्र में, डी.ई.आई. के ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम में कुल नामांकन 1165 छात्रों का है और जैसा कि अगले पृष्ठ पर बार चार्ट में दिखाया गया है, उनमें से 585 पांच यू जी सी–अधिकृत डिग्री स्तर के ऑनलाइन कार्यक्रमों में हैं जबकि 580 प्रमाणपत्र–स्तर के कार्यक्रमों में हैं। समग्र वितरण इस प्रकार है

श्रेणी–वार सामान्यः आरक्षित– 50/50, पुरुषः महिला– 40/60 और शहरीः ग्रामीण– 71/29

प्रमाणपत्र–स्तरीय कार्यक्रमों में आरक्षित श्रेणी के छात्रों और ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों का नामांकन अपेक्षाकृत अधिक है।

प्रोग्राम का नाम	छात्रों की संख्या
बी.बी.ए. प्रथम वर्ष ऑनलाइन	88
बी.बी.ए. द्वितीय वर्ष	99
बी.बी.ए. तृतीय वर्ष	82
बी.कॉम प्रथम वर्ष ऑनलाइन	57
बी.कॉम द्वितीय वर्ष	84
बी.कॉम तृतीय वर्ष	88
बी.ए. सोशल साइंस प्रथम वर्ष ऑनलाइन	6
बी.ए. सोशल साइंस द्वितीय वर्ष	8
बी.ए. सोशल साइंस तृतीय वर्ष	3
एम.कॉम प्रथम वर्ष ऑनलाइन	20
एम.कॉम द्वितीय वर्ष	39
एम.ए. थियोलोजी प्रथम वर्ष ऑनलाइन	9
एम.ए. थियोलोजी द्वितीय वर्ष	2
डी.डी.टी.	160
ओ.ए.सी.ओ.	78
स्विंग ऑपरेशंस	75
सर्टिफिकेट एग्रीकल्चर साइंस	54
एम.वी.एम. (4 व्हीलर)	44
इलेक्ट्रीशियन	41
कटिंग एण्ड स्विंग	34
टी.डी.एण्ड पी.	30
एम.ओ.एम एण्ड एस.पी.	23
वायरमैन	16
डी.डी.टी. (मोड्यूलर)	10
बैम्बू एप्लीकेशन टेक्नॉलोजी	6
ब्लॉक प्रिंटिग	5
इंडस्ट्रियल पेंटिग	4
योग	**1165**
योग (डिग्री प्रोग्राम)	**585**
योग (सर्टिफिकेट प्रोग्राम)	**580**

श्रेणी के अनुसार

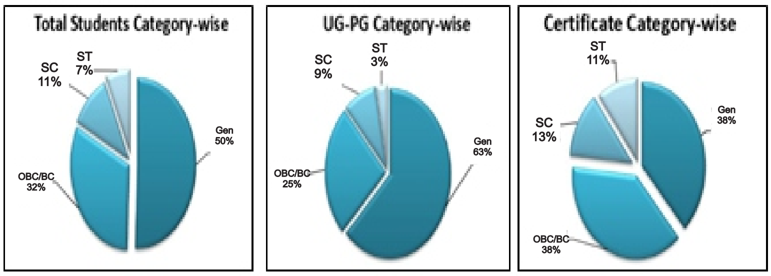

लिंग के अनुसार

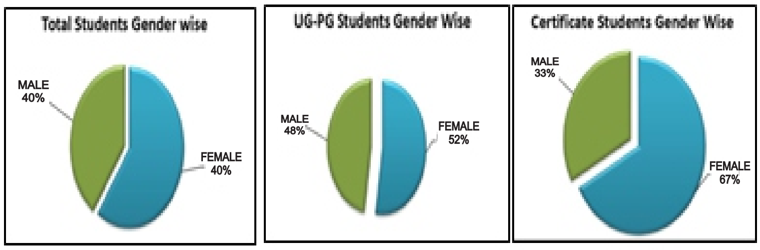

क्षेत्र के अनुसार

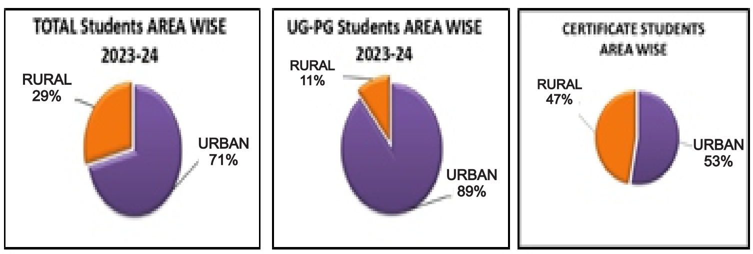

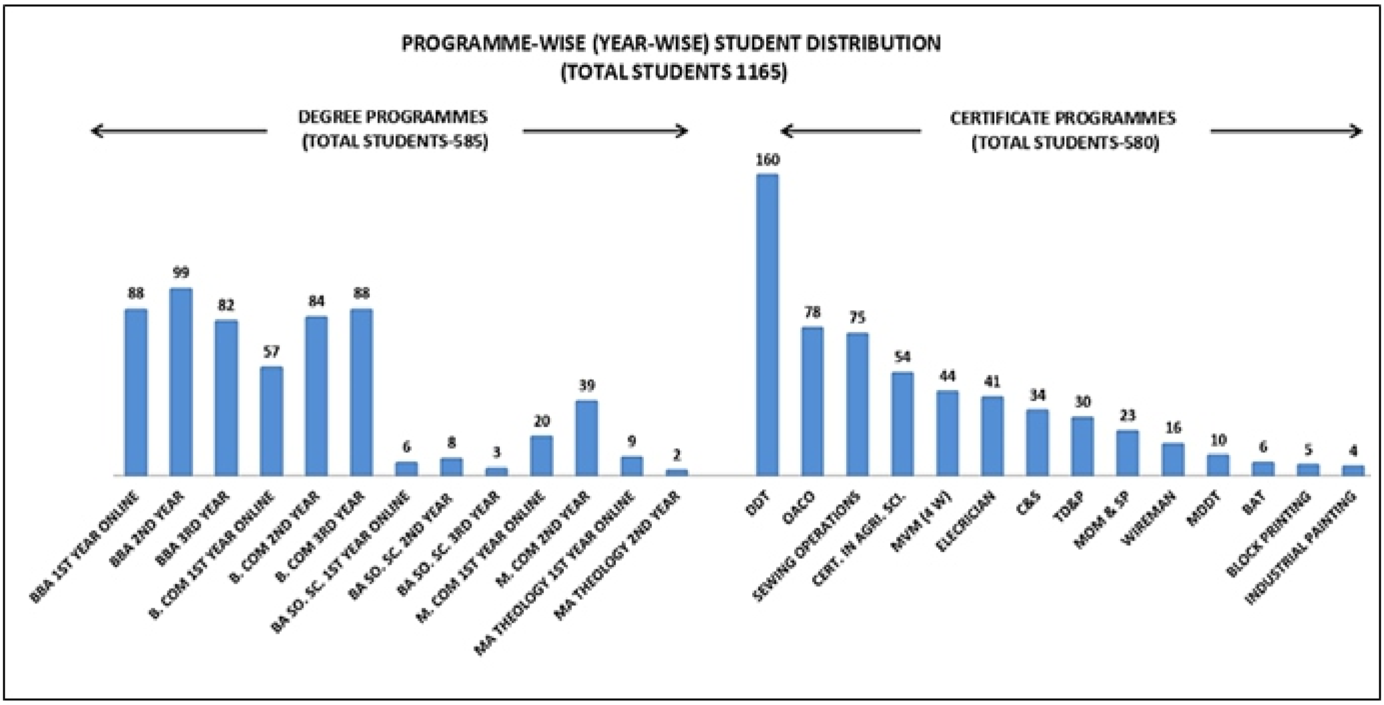

सूचना केन्द्रों से समाचार

रूड़की केंद्र ने 'भारतीय भाषा उत्सव 2023' का आयोजन किया

11 दिसंबर 2023 को DEI रूड़की सेंटर में 'भारतीय भाषा उत्सव 2023' बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। एक संक्षिप्त कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें श्री मुनीर आलम, महाप्रबंधक, टाटा मोटर्स, रूड़की, मुख्य अतिथि थे और श्री ब्रिजेश मिश्रा, सर्विस हेड, महिंद्रा ऑटोमोबाइल्स, रूड़की, विशिष्ट अतिथि थे। छात्रों ने कार्यक्रम के महत्व पर भाषण दिए और विभिन्न भारतीय भाषाओं में गीत गाए। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण स्टूडेंट फूड कोर्ट था, जहां छात्रों ने फूड स्टॉल लगाए। इलेक्ट्रीशियन और मोटर वाहन मैकेनिक (4व्हीलर) कार्यक्रम के छात्रों द्वारा कामकाजी मॉडल भी प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा, क्विज गेम्स भी आयोजित किए गए, जिससे आगंतुकों को कार्यक्रम के बारे में जानने का एक मजेदार और इंटरैक्टिव तरीका मिला। अंत में, कपड़ों की बिक्री भी हुई, जहां आगंतुक संस्थान के कटिंग और सिलाई कार्यक्रम के छात्रों द्वारा उत्पादित कपड़े और सहायक उपकरण खरीद सकते थे।

इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीतने वाले छात्र–छात्राओं को श्री मुनीर आलम ने प्रमाण पत्र प्रदान किये। श्री ब्रिजेश मिश्रा ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गये मॉडलों की सराहना की तथा रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान की। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों के साथ–साथ केंद्र के कर्मचारियों, छात्रों और पूर्व छात्रों की एक बड़ी भीड़ ने भाग लिया। पूरे केंद्र परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान प्रार्थना से हुई, उसके बाद केंद्र प्रभारी का भाषण और मुख्य अतिथि का संबोधन हुआ और समापन विश्वविद्यालय गीत के साथ हुआ। यह बेहद खुशी की बात है कि श्री मिश्रा मोटर वाहन मैकेनिक (4डब्ल्यू) कार्यक्रम के छात्रों को प्री–प्लेसमेंट ऑफर देकर प्रसन्न हुए। हुजूर रा धा स्व आ मी दयाल की कृपा से, यह पहली बार है कि इस तरह की पेशकश की गई है, जिससे कर्मचारियों और छात्रों के मनोबल को जबरदस्त बढ़ावा मिला है।

गादीरास (सुकमा) में मनाया गया 'संविधान दिवस'

डी.ई.आई. प्रशिक्षण केंद्र, गादीरास (सुकमा), छत्तीसगढ़ में 25 एवं 26 नवंबर, 2023 को संविधान दिवस मनाया गया। 25 नवंबर को केंद्र के नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने पर्यावरण, योग, शिक्षा, शारीरिक सुरक्षा, पौष्टिक आहार, धर्म, श्री भीमराव अंबेडकर और संविधान विषयों पर आधारित दो मिनट का भाषण दिया। 26 नवंबर को द्वितीय कमान अधिकारी श्री अनामी शरण, सहायक कमांडेंट प्रज्वल एन पी और अधिवक्ता श्री कैलाश जैन को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। श्री कैलाश जैन एवं श्री अनामी शरण जी ने छात्रों को संविधान दिवस के बारे में बताया। केन्द्र प्रभारी श्री विजेन्द्र कुमार ने डी.ई.आई. एवं दयालबाग़ और मेंटर के बारे में जानकारी दी। श्रीमती भूपिंदर जीत ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

गादीरास (सुकमा) में 'कृषि दिवस' समारोह

20 दिसंबर, 2023 को DEI प्रशिक्षण केंद्र, गादीरास (सुकमा) में सभी छात्रों के साथ 'कृषि दिवस' धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्कृत में विश्वविद्यालय प्रार्थना से हुई। केंद्र प्रभारी, श्री विजंदर कुमार द्वारा इस दिन के महत्व पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया, जहां उन्होंने सभी जीवित प्राणियों की खाद्य सुरक्षा को सक्षम करने के लिए समाज को कृषि कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल होने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। श्रीमती भूपिंदर जीत मेंटर ने भी रा धा स्व आ मी आस्था के छठे श्रद्धेय आध्यात्मिक लीडर, परम गुरु हुज़ूर मेहताजी महाराज की शिक्षाओं पर एक भाषण दिया, और मानव जाति के लिए उनके द्वारा दिए गए संदेश को पढ़ा कि कुछ भी बर्बाद मत करो। उन्होंने छात्रों को दयालबाग़ में कृषि कार्यों के बारे में जानकारी दी और छात्रों को यह भी बताया कि परम गुरु हुज़ूर मेहताजी महाराज का जन्मदिन दयालबाग़ में 'कृषि दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मिठाई बांटी गई।

डी.ई.आई. सूचना केंद्र, विजयवाड़ा में प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया गया

17 दिसंबर, 2023 को DEI Alumni प्लेसमेंट असिस्टेंस Cell (APAC) द्वारा विजयवाड़ा में एक प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया गया था। प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के लिए आंध्र प्रदेश राज्य के हथकरघा और कपड़ा विभाग के अतिरिक्त निदेशक श्री के. श्रीकांत प्रभाकर को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. पारुल भटनागर, प्रमुख, हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण सह ऊष्मायन कार्यक्रम, डी.ई.आई., श्री वी. दक्षिणा मूर्ति, सेंटर इंचार्ज, विशाखापत्तनम केंद्र और क्षेत्रीय समन्वयक, डी.ई.आई. (APAC), तटीय क्षेत्र, श्रीमती के.जी.ए. राधा, सेंटर इंचार्ज, विजयवाड़ा केंद्र, श्री एम.वी. सत्य प्रसाद, जिला सचिव, विजयवाड़ा और श्री एस.वी.वी.एन.पी.के.के. राजू, शाखा सचिव, विजयवाड़ा सतसंग शाखा कुछ अन्य गणमान्य व्यक्ति थे जिन्होंने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के दस केंद्रों और

मुंबई, बैंगलोर और दयालबाग़ से लगभग बत्तीस उद्यमियों ने भाग लिया।

उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित उत्पादों में टाई एंड डाई और ब्लॉक प्रिंटेड साड़ियाँ, दुपट्टे, बेडशीट, दीवान सेट, तकिया कवर, बैग की चेन, लेडीज गारमेंट्स, बच्चों के गारमेंट्स और जेंट्स के कुर्ते शामिल थे। लगभग चार लाख रुपये के उत्पाद बेचे गए और इस कार्यक्रम को स्थानीय मीडिया ने कवर किया। सर्वशक्तिमान ईश्वर की असीम कृपा से और विजयवाड़ा शाखा के सदस्यों की सहायता से, सभी उद्यमी और आगंतुक संतुष्ट हुए और प्रदर्शनी एक शानदार सफलता रही।

बैंगलोर, अटलांटा और करोल बाग केंद्रों में नवाचार, गुणवत्ता और मूल्य/मूल्यांकन दिवस समारोह

बैंगलोर आई.सी.टी. सेंटर (तस्वीर–1) में नवप्रवर्तन, गुणवत्ता और मूल्य दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। अधिकतम भागीदारी को सक्षम करने के लिए, इसे हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से हुई जिसके बाद केंद्र प्रभारी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने संकाय और कर्मचारियों के लिए AICTE और यू जी सी के बारे में जानकारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक संक्षिप्त भाषण दिया। श्री सहज द्वारा 'शिक्षा दिवस' पर संक्षिप्त नोट प्रभावशाली ढंग से पढ़ा गया, जिसके बाद डॉ. अभिषेक द्वारा 'HEI प्रवेश के लिए प्रवेश–पुनर्निर्मित मानक' पर एक प्रस्तुति दी गई। अंत में आयोजकों ने उपस्थित जनसमूह के साथ विश्वविद्यालय गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सुश्री श्वेता सेठिया द्वारा किया गया।

12 नवंबर, 2023 को **अटलांटा सेंटर (तस्वीर–2)** ने सतसंग स्थल पर 'इनोवेशन, क्वालिटी और वैल्यूएशन डे' मनाया। इस कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं के साथ–साथ वयस्कों की भी उत्साहपूर्ण उपस्थिति देखी गई, जो सक्रिय रूप से विभिन्न गतिविधियों में शामिल हुए। दिन की शुरुआत खेत सेवा से हुई, जिसने सांप्रदायिक भागीदारी और सेवा का माहौल तैयार किया। बाद में सभी ने संस्कृत में विश्वविद्यालय प्रार्थना पढ़ी। सतसंग के बाहर और अंदर दीपावली के उत्सव की तुलना करते हुए प्रस्तुति को पौराणिक कथाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया और पालन के दो क्षेत्रों के बीच समानताएं चित्रित की गईं। इसके अलावा, चौदह युवाओं ने कर्तव्य, सुंदरता, ईमानदारी, निस्वार्थता, वफादारी, न्याय, विनम्रता, ज्ञान, साहस, नवीनता, अखंडता, करुणा, संयम और शांति से जुड़े विविध गुणों और मूल्यों पर वाक्पटुता से बात की। उनके चिंतन ने न केवल मूल्यों के बारे में उनकी समझ को प्रदर्शित किया बल्कि इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में एकीकृत करने की उनकी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। इसके अतिरिक्त, एक सलाहकार और छात्रों द्वारा कृषि पारिस्थितिकी और इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक प्रस्तुति दी गई। दिन का समापन हिंदी में समापन प्रार्थना 'तमन्ना' के साथ हुआ। सत्संग के मूल्यों को शामिल कर और सच्ची दीपावली मनाकर एक चिंतनशील माहौल तैयार किया गया।

करोल बाग केंद्र (तस्वीर–3) में 'नवाचार, गुणवत्ता और मूल्य दिवस' कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद एक प्रख्यात वैज्ञानिक, डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक, भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद की तेलंगाना 'सिग्मा 6क्यू और आहार में बाजरा के बढ़ते महत्व' पर प्रस्तुति हुई। डॉ. सी. भारद्वाज और डॉ. प्रेम शिंगारी वर्मा ने भी इस अवसर के महत्व पर अपने विचार साझा किए। अंततः श्री. राजीव ग्रोवर, सेंटर इंचार्ज ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और कार्यक्रम का समापन विश्वविद्यालय गीत के साथ हुआ।

खण्ड 'ग' : डी.ई.आई के पूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)

संपादक की डेस्क से

एन ई पी 2020 अब जिन मूल मूल्यों को शिक्षा के साथ एकीकृत करना चाहता है, वे दशकों से डी.ई.आई. शिक्षा नीति का अभिन्न अंग रहे हैं। 1975 में बनाई गई यह नीति वह नींव है जिस पर दयालबाग़ में शिक्षा टिकी हुई है, और समय की कसौटी पर खरी उतरी है। जो लोग यहां शिक्षा प्राप्त करने के लिए आभारी रहे हैं, वे जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, और अक्सर पुरानी यादों में घूमने या अपने गुरुओं और शिक्षकों से मिलने के लिए अपने मातृसंस्था लौटते हैं। इन बैठकों को दोनों पक्षों की ओर से स्नेह, पुरानी यादों और बहुत आभार के साथ चिह्नित किया जाता है। हम शिक्षक और मार्गदर्शक के रूप में और दयालबाग़ में या डी.ई.आई. में पढ़ने वाले छात्र एक ऐसी शैक्षिक प्रणाली का हिस्सा बनने के लिए अत्यधिक आभारी हैं जो अद्वितीय और धन्य हैं। जैसा कि हमने दयालबाग़ में शिक्षा के 106 वर्ष पूरे कर लिए हैं, हम उत्कृष्टता के लिए चल रही अपनी खोज में एक और वर्ष शिक्षा के अपने अंतिम उद्देश्य के निकट आने के लिए एक और कदम की प्रतीक्षा कर रहे हैं जो पूर्ण मुक्ति, सभी दर्द और दुखों से मुक्ति और शाश्वत आनंद की स्थिति है।

अपनी टिप्पणियाँ और योगदान aadeisnewsletter@gmail.com पर साझा करें । आपकी प्रतिक्रिया की अत्यधिक सराहना की जाएगी!

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन ई पी) 2020 में मानसिक स्वास्थ्य को शामिल करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण

रुचि गौतम, पी एच.डी. (आई.आई.टी. कानपुर); M.S.Sc. मनोविज्ञान (2002-2004 बैच), B.S.Sc. मनोविज्ञान (ऑनर्स) (1999-2002 बैच), डी.ई.आई.

वर्तमान में, मुख्य परामर्शदाता और मनोविज्ञान की सह-प्रोफेसर, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन ई पी) 2020 एक दूरदर्शी योजना है जो छात्रों के विकास हेतु एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती है जो शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के बीच अंतर्निहित संबंध की आवश्यक भूमिका निभाती है। सीखने का माहौल बनाने के लिए, शैक्षिक प्रणाली मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के साथ एन ई पी 2020 के सामंजस्यपूर्ण एकीकरण के माध्यम से छात्रों की शैक्षणिक सफलता और भावनात्मक कल्याण दोनों को प्राथमिकता देती है।

एन ई पी 2020 एक दिशा सूचक के रूप में कार्य करती है जो भारत के शैक्षिक प्रक्षेप पथ को प्रगतिशील दिशा में ले जाती है। यह अपने स्वभाव से ही आकांक्षी है, एक ऐसी शैक्षिक प्रणाली की कल्पना करती है जो छात्रों की व्यापक जरूरतों को अपनाती है और पारंपरिक गतिविधियों से भिन्न है। शिक्षा और मानसिक कल्याण के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध को स्वीकार करते हुए, नीति एक ऐसा वातावरण स्थापित करने के लिए एक व्यापक योजना प्रस्तुत करती है जो अनुकूलनशीलता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ावा देती है।

एन ई पी 2020 में मानसिक स्वास्थ्य को शामिल करना सिर्फ भिन्न नही बल्कि विशेष बात है। यह दृष्टिकोण में गहरे बदलाव का प्रतीक है। एन ई पी के इस विशेष उद्देश्य से शिक्षा को अब सर्वांगीण विकास की बुनियाद माना जाने लगा है।

वर्तमान में एन ई पी को प्रमाणित होने के साथ यह पहचानना आवश्यक है कि छात्र अपने भावनात्मक परिदृश्य को व्यक्तिगत आधार

पर अपने जीवन में लाते हैं, और एक व्यापक शिक्षा प्रणाली को इन बारीकियों को संबोधित करने की अति आवश्यकता है।

लक्ष्यः

एन ई पी 2020 छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर उच्च बढ़ोतरी करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। एकीकरण प्रक्रिया का उद्देश्य शिक्षा को इस तरह से बदलना है कि भावनात्मक लचीलेपन को बौद्धिक उपलब्धि के साथ समान रूप से महत्व दिया जाए।

छात्रों द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के तनावों को स्वीकार करते हुए, एन ई पी 2020 शैक्षिक ढांचे के भीतर तनाव कम करने की रणनीतियों को शामिल करने का प्रयास करती है। इसका मतलब है एक ऐसा पाठ्यक्रम तैयार करना जो शैक्षिक कठोरता और अवकाश–आधारित गतिविधियों के बीच सोच–समझकर संतुलन बनाता है जो एक ताजी और तनाव मुक्त मानसिक स्थिति को बढ़ावा देती है।

मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से जुड़े भ्रष्टता व अपवाद को संबोधित करते हुए, एन ई पी 2020 परंपरा को तोड़ती है। एकीकरण रणनीतियों में जन जागरूकता अभियान, शैक्षिक पहल और परामर्श सेवाएँ शामिल हैं। ये रणनीतियाँ मानसिक स्वास्थ्य के बारे में ईमानदार बातचीत को प्रोत्साहित करती हैं जो करुणा और समझ को बढ़ावा देती हैं।

प्रमुख बिंदुः

- समावेशी सहायता प्रणालियाँ, जो एकीकरण प्रक्रिया के भाग के रूप में, स्कूलों के अंदर समावेशी सहायता नेटवर्क बना सकती हैं– इसमें सहकर्मी सहायता समूह बनाना, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा सेमिनार आयोजित करना और परामर्श सेवाएं शामिल हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को उनके सामान्य कल्याण के लिए संसाधनों तक आसान पहुंच प्राप्त है।
- पाठ्यक्रम से संबंधित मुकाबला तंत्र और लचीलापन–निर्माण विधियों को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कौशल विकास एन ई पी 2020 के जीवन कौशल विकास के व्यापक उद्देश्य के साथ संरेखित है। परिणामस्वरूप, इससे छात्रों में जीवन की कठिनाइयों से सफलतापूर्वक निपटने की क्षमता आती है।
- एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए एकीकरण प्रक्रिया में व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाती है। एन ई पी 2020 के लक्ष्य के अनुरूप अच्छी तरह से तैयार और प्रशिक्षित शिक्षक होने का उद्देश्य समग्र छात्र विकास में योगदान देना है। इसमें शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के चेतावनी संकेतकों की पहचान करने और बुनियादी सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक उपकरण देना भी शामिल है।

प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सहयोगात्मक रणनीतियाँः

शिक्षा के क्षेत्र में, परामर्शदाता छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने और स्कूल में उनकी उपस्थिति बढ़ाने के लिए माता–पिता, शिक्षकों और समुदाय के साथ मिलकर काम करते हैं। नीतियां अब इस बात पर बढ़ावा देती हैं कि बच्चों की भावनात्मक भलाई के लिए स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का होना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। स्कूल छोड़ने की दर के कारणों का निर्धारण करने की प्रक्रिया में माता–पिता, प्रशिक्षकों और छात्रों, परामर्शदाताओं को शामिल करना आवश्यक है। यह सहयोगात्मक पद्धति छात्रों की समस्याओं का निवारण और समाधान करने के बाद वापस आने के लिए आक्रामक रूप से प्रोत्साहित करती है। परामर्शदाता छात्रों को समाज में पुनः एकीकृत होने में सहायता करते हैं और छात्रों की अनुपस्थिति की निगरानी करते हैं। स्कूल के शिक्षकों के साथ मिलकर काम करने से यह गारंटी मिलती है कि प्रत्येक बच्चा सक्रिय रूप से सीखने में संलग्न होता है और एक स्वागतयोग्य, उत्साहवर्धक सीखने के माहौल के विकास में योगदान देता है जो शैक्षणिक उपलब्धि और मानसिक कल्याण दोनों को प्राथमिकता देता है।

संभावित नतीजेः

- बढ़ी हुई शैक्षणिक उपलब्धिः यह अनुमान लगाया गया है कि मानसिक स्वास्थ्य प्रयासों को शामिल करने से शैक्षणिक उपलब्धि में वृद्धि होगी। यह अनुमान लगाया गया है कि जो छात्र बेहतर मानसिक स्वास्थ्य में हैं वे अधिक होशियार, संलग्न और सीखने के लिए परिपूर्ण होंगे, जिससे अंततः उनके सामान्य शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करेगा।
- मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को संबोधित करने का लक्ष्य ड्रॉपआउट दर को कम करना है। अनौपचारिक मानसिक स्वास्थ्य

विकारों के कारण बच्चों को समाज तथा कक्षा से अलग होने से रोककर, शीघ्र पता स्वास्थ्य का लगाने और उपचार या चिकत्सा से प्रतिधारण दर में वृद्धि हो सकती है और अधिक शिक्षित आबादी प्रदान की जा सकती है।

- बेहतर जीवन कौशलः एकीकरण पहल छात्रों को तनाव कम करने, प्रभावी संचार और समस्या–समाधान रणनीतियों जैसे आवश्यक जीवन कौशल देने के लिए की जाती है। ये क्षमताएं छात्रों को उनके शैक्षणिक प्रयासों में मदद करती हैं और उन्हें कक्षा के बाहर की बाधाओं के लिए तैयार करती हैं, जिससे वे अधिक समग्र नागरिक बन जाते हैं।
- बेहतर स्कूल संस्कृतिः मानसिक स्वास्थ्य गतिविधियों को शामिल करने से एक सहायक और उत्साहित स्कूल माहौल को बढ़ावा मिलता है। परिणामस्वरूप, छात्र अपने शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में अधिक शामिल और समर्पित महसूस करते हैं, जिससे उनमें घनिष्टता की भावना बढ़ती है।

निष्कर्ष में, मानसिक स्वास्थ्य के लेंस के माध्यम से एन ई पी 2020 की कल्पना करना एक सर्वांगीण व्यक्ति बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। ऐसे छात्रों को विकसित करने के लिए जो शैक्षणिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हैं, मानसिक स्वास्थ्य प्रयासों को शैक्षिक प्रथाओं के साथ जोड़ा जा सकता है। इससे अधिक देख रेख और स्वस्थ वातावरण बनाकर समाज को लाभ होगा।

संदर्भः शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020।

पूर्व छात्रों की बाइट्स..........
'' दयालबाग़ में शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ है...''

"दयालबाग़ और डी.ई.आई. मेरे नर्सरी स्कूल के दिनों से लेकर यूजी तक मेरे जीवन का अभिन्न अंग रहे हैं। DEI ने मुझे न केवल सही शिक्षा दी, बल्कि नैतिकता, समानता, सहयोग, संगठन और निस्वार्थ सेवा जैसे बुनियादी मूल्य भी दिए। इन मूल्यों ने मेरे दृष्टिकोण को आकार दिया है और मुझे जमीन से जोड़ रखा है। DEI ने न केवल मुझे एक बेहतर इंसान बनना सिखाया बल्कि मुझे अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में प्रगति करने में भी मदद की। मैं आभारी हूं कि मुझे दयालबाग़ शैक्षणिक संस्थान में अध्ययन करने का अवसर मिला।

– सुनीति कौशल, डी.ई.आई. टेक्निकल कॉलेज (बैच 2009– 2012), वर्तमान में होंडा इंडिया पावर प्रॉडक्ट्स में वरिष्ठ अभियंता (रखरखाव और उपयोगिता) के रूप में कार्यरत हैं।

"..........कड़ी मेहनत की भावना, यह तथ्य कि दयालबाग़ में पढ़ाई कभी बोझ नहीं बल्कि आनंद थी, और सबसे महत्वपूर्ण, श्रम की गरिमा का मूल मूल्य। यह सीखने से कि कोई भी काम बड़ा या छोटा नहीं होता है और कोई भी काम कितना भी कठिन क्यों न हो, बिना किसी हिचकिचाहट के करने से मुझे अपने कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से योगदान देने और सम्मान हासिल करने में मदद मिली है।"

-गुर प्यारी मंडल, डी.ई.आई., बी.ए; बी.एड; (बैच-1999–2002; 2002–2003)
वर्तमान में उच्च प्राथमिक विद्यालय, कम्पोजिट, धीमरपुरा, ब्लॉक शमशाबाद, जिला आगरा में पढ़ा रही हैं।

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड

डी.ई.आई.

संरक्षक

प्रो. सी. पटवर्धन

मुख्य संपादक

प्रो. जे.के. वर्मा

संपादक

डॉ. सोना दीक्षित

डॉ. सोनल सिंह

डॉ. अक्षय कुमार सत्संगी

डॉ. बानी दयाल धीर

सदस्य

डॉ. चारु स्वामी

डॉ. नेहा जैन

डॉ. सौम्या सिन्हा

श्री आर.आर. सिंह

प्रो. प्रवीण सक्सेना

प्रो. वी. स्वामी दास

डॉ. रोहित राजवंशी

डॉ. भावना जौहरी

सलाहकार

प्रो. एस.के. चौहान

अनुवादक

डॉ. नमस्या

डॉ. निशीथ गौड़

डी.ई.आई.–ओ.डी.ई.
(डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

संरक्षक

प्रो. सी. पटवर्धन

प्रो. वी.बी. गुप्ता

संपादकीय सलाहकार

प्रो. एस.के. चौहान

प्रो. जे.के. वर्मा

संपादकीय मंडल

डॉ. सोनल सिंह

डॉ. मीना पायदा

डॉ. लॉलीन मल्होत्रा,

डॉ. बानी दयाल धीर

श्री राकेश मेहता

अनुवादक

डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

डी.ई.आई. Alumni
(AADEIs & AAFDEI)

संपादक

प्रो. गुर प्यारी जंडियाल

संपादकीय समिति

डॉ. सरन कुमार सतसंगी,

प्रो. साहब दास

डॉ.बानी दयाल धीर

श्रीमती शिफाली सत्संगी

श्रीमती अरुणा शर्मा

डॉ.स्वामी प्यारी कौड़ा

डॉ. गुरप्यारी भटनागर

डॉ. वसंत वुप्पुलुरी

अनुवादक

डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

डॉ. नमस्या

प्रशासनिक कार्यालय:
पहली मंजिल, 63,
नेहरू नगर,
आगरा –282002

पंजीकृत कार्यालय:
108, साउथ एक्स प्लाजा –1,
साउथ एक्सटेंशन पार्क II,
नई दिल्ली–110049

चित्रण, मुद्रण एवं ई–प्रकाशन: दयालबाग़ प्रेस